an>

Title: Need to take step for expeditious development of vaccine for Japanese Encephalitis.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): देश के विभिन्न हिस्सों में अभी तक पिछले 36 साल में जापानी इंसेफेलाइटिस एवं एक्यूट इंसेफेलाइटिस से 15 हजार से अधिक मासूमों की जान जा चुकी है। साल 2006 में पहली बार इस महामारी का रूप ले चुकी जापानी इंसेफेलाइटिस का टीकाकरण शुरू हुआ और वर्ष 2009 में पुणे स्थित नेशनल वायरोलॉजी लैब की एक ईकाई गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में स्थापित हुई ताकि रोग की सही वजह को पहचाना जा सके। लेकिन अभी तक इन एंटेरो वायरस की प्रकृति और प्रभाव की पहचान करने की टेस्ट किट विकसित नहीं हो सकी है। अभी तक इस बीमारी की कोई दवा विकसित नहीं हो पायी, जिसके कारण हजारों मासूम मारे जा रहे हैं।

अतः मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि इस पर तत्काल कार्यवाही की जाए जिससे भविष्य में इस महामारी पर काबू पाया जा सके।